Rayat Shikshan Sanstha's

RAJARSHI CHHATRAPATI SHAHU COLLEGE, KOLHAPUR

Department of Hindi

PROGRAMME OUTCOMES

2025-26

- **B.A. Hindi Program Outcomes :-**

PO1. सामाजिक विज्ञान, साहित्य और मानविकी के क्षेत्र में ज्ञान प्राप्त करते हैं, जो उन्हें संवेदनशील एवं सम्मान प्राप्त मनुष्य बनने में सहाय्यक हुआ |

PO2. सामाजिक, आर्थिक, ऐतिहासिक, भौगोलिक, राजनीतिक, वैचारिक और दार्शनिक परंपरा और सोच से समाज के समक्ष अभिव्यक्त करने की क्षमता निर्माण हुई |

PO3. विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपस्थित होने या अपनी पसंद के स्नातकोत्तर कार्यक्रम का चयन करने का अधिकार निर्माण हुआ ।

PO4. साहस और मानवता के साथ जीवन में विभिन्न समस्याओं से निपटने के लिए आधार तैयार करने वाले मानवीय मूल्यों के अध्ययन और चिंतन से सक्षम बनाता है |

PO5. मानव जीवन में व्याप्त विभिन्न मुद्दों के समाधान के लिए सोचने और कार्य करने के लिए पर्याप्त प्रज्वलित हुआ ।

PO6. जिम्मेदार नागरिक होने के लिए आवश्यक चिंतनशीलता के लिए सहायक सिद्ध हुआ ।

❖ **B.A. Hindi Program Specific Outcomes :-**

POS1. हिंदी साहित्य के विविध विधाओं की अभिव्यक्ति करने में सक्षम (कहानी, उपन्यास, नाटक, संस्मरण, काव्य आदि) |

POS2. हिंदी साहित्य के माध्यम से छात्रों में सामाजिक प्रतिबद्धता का निर्माण |

POS3. हिंदी लेखन और संप्रेषण के कौशल्य में बढोत्तरी |

POS4. भाषिक ज्ञान में वृद्धी |

POS5. प्रभावी संप्रेषण और रोजगार में सहाय्यक |

POS6. हिंदी साहित्य के माध्यम से जीवन तथा मानवी मूल्यों को व्यक्त |

Course Outcomes

- **बी. ए भाग 1 SEC - पत्रकारिता / समाचार लेखन, OE - प्रयोजनमूलक हिंदी और कविताएँ / कहानियाँ**

CO1. पत्रकारिता विधा का परिचय एवं महत्व ज्ञात हुआ |

CO2. छात्रों में पत्रकारिता विधा में कार्य करने की रुचि निर्माण हुई |

CO3. प्रयोजनमूलक हिंदी के प्रति छात्रों में रुचि निर्माण हुई |

CO4. छात्रों में साहित्य के माध्यम से नैतिक मूल्य, राष्ट्रीय मूल्य एवं उत्तरदायित्व के प्रति आस्था निर्माण हुई |

CO5. समाचार लेखन निर्मिती की प्रक्रिया का बोध हुआ |

- **बी. ए भाग 1 पेपर 1 - आधुनिक हिंदी साहित्य - I**

CO6. हिंदी साहित्य आस्वादन तथा मूल्यांकन क्षमता का विकास हुआ |

CO7. मानवी मूल्यों को अभिव्यक्त करने में सहाय्यक सिद्ध हुआ |

CO8. हिंदी भाषा के श्रवण, पठन एवं लेखन कौशल्य निर्माण हुए |

CO9. कविता एवं कहानी विधा का आस्वाद एवं तात्विक विवेचन तथा महत्व को समझा |

CO10. नैतिक मूल्य, राष्ट्रीय मूल्य एवं उत्तरदायित्व के प्रति आस्था निर्माण हुई |

- **बी. ए भाग 1 पेपर 2 - आधुनिक हिंदी साहित्य - II**

CO11. उपन्यास: आस्वाद एवं तात्विक विवेचन क्षमता का विकास हुआ ।

CO12. छात्रों की विचार क्षमता तथा कल्पनाशीलता का विकास हुआ |

CO13. संप्रेषण कौशल विकसित हुआ ।

CO14. हिंदी के गद्यकारों एवं कवियों का परिचय हुआ |

बी. ए भाग 2 पेपर 3 - आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य - I

CO15. कथा साहित्य के स्वरूप, तत्व एवं प्रकर स्पष्ट हुए ।

CO16. विविध कहानियों के माध्यम से जीवन के विविध पैलू तथा समस्याओं से जागरूक हुए ।

CO17. हिंदी साहित्य के कथेतर साहित्य के स्वरूप, तत्व एवं प्रकरों से प्रेरित हुए |

CO18. समीक्षा मानदंड के आधार पर कथा साहित्य का आकलन हुआ |

- **बी. ए भाग 2 पेपर 4 - मध्यकालीन एवं आधुनिक हिंदी काव्य**

CO19. मध्यकालीन काव्य के प्रति अभिरुची निर्माण हुई ।

CO20. राष्ट्र के प्रति प्रेम, राष्ट्रीय ऐक्य स्थापना एवं सामाजिक प्रतिबद्धता जागृत हुई |

CO21. आधुनिक हिंदी कविता में चित्रित विविध विमर्शो से जागृत हुए ।

CO22. हिंदी काव्य साहित्य के प्रति रुचि बढी |

- **बी. ए भाग 2 पेपर 5 - आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य - II**

CO23. नाटक साहित्य के प्रति रुचि विकसित हुई |

CO24. नाटक साहित्य के स्वरूप और तत्व का आकलन हुआ |

CO25. नाटक साहित्य के प्रकारों का आकलन हुआ |

CO26. नाटक साहित्य की प्रासंगिकता के कारण वर्तमान युग से परिचित हुए |

- **बी. ए भाग 2 पेपर 6 - आधुनिक हिंदी काव्य**

CO27. हिंदी साहित्य के विभिन्न विमर्शो को अभिव्यक्त करने की क्षमता निर्माण हुई |

CO28. हिंदी भाषा के श्रवण, पठन एवं लेखन कौशल्य निर्माण हुआ।

CO29. हिंदी कविता साहित्य के प्रति रुचि निर्माण हुई ।

CO30. हिंदी साहित्य के विविध पद्य विधाओं को अभिव्यक्त करने की क्षमता निर्माण हुई ।

- बी. ए भाग 3 पेपर क्र. 7 और 12 - विधा विशेष का अध्ययन

CO31. लंबी कहानी के तात्विक स्वरूप का आकलन हुआ |

CO32. रचना विशेष का महत्व समझने एवं मूल्यांकन करने की क्षमता निर्माण हुई ।

CO33. आत्मकथा विधा प्रकार के तात्विक स्वरूप का आकलन हुआ |

CO34. पाठ्यक्रम में निर्धारित लंबी कहानी एवं आत्मकथा की प्रासंगिकता से अवगत हुए ।

- बी. ए भाग 3 पेपर क्र. 8 और 13 - साहित्यशास्त्र और हिंदी आलोचना

CO35. काव्य के विभिन्न अंगों का आकलन हुआ ।

CO36. साहित्य की मर्मग्राहिनी क्षमता विकसित हुई ।

CO37. साहित्य और रस की अवधारणा का आकलन हुआ ।

CO38. हिंदी आलोचना की विविध प्रणालियों का ज्ञान प्राप्त हुआ |

- बी. ए भाग 3 पेपर क्र. 9 और 14 - हिंदी साहित्य का इतिहास

CO39. हिंदी भाषा साहित्य के इतिहास को जान लिया ।

CO40. हिंदी साहित्य की विविध विधाएँ तथा उनके विकास की जानकारी प्राप्त हुई ।

CO41. हिंदी के भक्तिकालीन साहित्य से समाज जागृती की प्रेरणा निर्माण हुई ।

CO42. हिंदी साहित्य की विकास यात्रा का आकलन हुआ |

- बी. ए भाग 3 पेपर क्र. 10 और 15 - प्रयोजनमूलक हिंदी

CO43. हिंदी भाषा में कार्य करने की रुचि विकसित हुई |

CO44. रोजगारोन्मुख शिक्षा एवं कौशल विकसित हुआ ।

CO45. प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के लिए लेखन की क्षमता का विकास हुआ ।

CO46. माध्यम लेखन के प्रति आलोचनात्मक दृष्टि का विकास हुआ |

- बी. ए भाग 3 पेपर क्र. 11 और 16 - भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा

CO47. भाषा के विविध रूपों का आकलन हुआ ।

CO48. हिंदी व्याकरण से मानक भाषा का आकलन हुआ ।

CO49. हिंदी भाषा और लिपि के उद्भव और विकास को अभिव्यक्त करने की क्षमता निर्माण हुई ।

CO50. हिंदी भाषा के शब्द समूह से व्यवहार कौशल में जागृति निर्माण हुई |

CO51. मानक हिंदी वर्तनी के नियमों से लेखन कौशल में जागरूकता निर्माण हुई |

NADesai

Head
Department of Hindi

Head
Department of Hindi
Chandrabai-Shantappa Shendure College
Hupari Dist.Kolhapur(Maharashtra)

Chandrabai-Shantappa Shendure College
Hupari

Principal

Principal
Chandrabai-Shantappa Shendure College
Hupari